University in News on 02 March 2025

i-NEXT PAGE 3

एलयू में बनाया जाएगा नया एआई डिपार्टमेंट

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में ग्रेजुएशन कोर्सेज की होगी शुरूआत

LUCKNOW (1 MARCH): सरकार लखनऊ को एआई सिटी बनाने पर जोर दे रही है. ऐसे में स्टूडेंट्स को एआई फील्ड में एक्सीलेंस देने के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी जल्द ही कैंपस में नया एआई डिपार्टमेंट शुरू करने जा रही है. इस डिपार्टमेंट में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में ग्रेजुएशन के साथ-साथ पार्ट-टाइम पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा भी किया जा सकेगा.

बढ़ाई जाएंगी सीटें

फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी के हेड प्रोफेसर अशोक कुमार सिंह ने बताया कि अभी तक इंजीनियरिंग फैकल्टी में बीटेक की कुल 120 सीटें थीं मगर एआई डिपार्टमेंट के शुरू होने से ये सीटें बढ़ाकर 180 कर दी जाएंगी. एआई डिपार्टमेंट के साथ ही एआई लैब होने से स्टूडेंट्स को डबल फायदा होगा.

एलयू पूरा करेगा सपना

प्रो. एके सिंह का कहना है कि एलयू में एआई डिपार्टमेंट होने से उन स्टूडेंट्स को फायदा होगा जो एआई में करियर बनाना चाहते हैं मगर फाइनेंशियली मजबूत ना होने की वजह से पीछे रह जाते हैं क्योंकि प्राइवेट यूनिवर्सिटीज में एआई एजुकेशन काफी महंगी है. मगर एलयू में एआई डिपार्टमेंट के शुरू होने से उन स्टूडेंट्स का भी सपना पूरा होगा और वो कम फीस में अपने करियर को स्टेबल कर पाएंगे. इसके साथ ही उनका कहना है कि इंजीनियरिंग फैकल्टी का प्लेसमेंट भी 80 से 85 प्रतिशत है, जो कि लगातार बेहतर हो रहा है. प्रो. सिंह के मुताबिक विवि जल्द ही एआई डिपार्टमेंट और कोर्सेज की शुरूआत करने वाला है.

TOI PAGE 3

LU's annual festival 'Gravitas' concludes

Gravitas fest culminated with prize distribution ceremony on Saturday

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University's annual fest, Gravitas, organised by the Faculty of Management Studies, concluded with a prize distribution ceremony on Saturday. The final day featured a stand-up comedy competition where participants showcased their humour and engaged the audience.

The winners of various competitions held during the fest were Gopal Gupta for stand-up comedy, Anushuman & Shruti for singing, and Prateek, Shreya and Prachi Rastogi for treasure hunt, Sakshi Verma and Divyanshu for case study, Ashish Tiwari for business quiz, Shumaila for debate, Sakshi Verma for poster making, Gaurav and Jigisha for value out of waste, Kinjal for meme marketing, Atharva for pitch a product, Tanu Singh, Prashant, Anurag, and Aishwarya for admad, Gaurav Pandey for poetry, Snachali and Srishti for cosplay, Shivangi Kanaujiya for solo dancing, and Shinjini and Samargyi Singh for group dance.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

मृदुल मिस्टर, साक्षी बनीं मिस ग्रेविटास

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय में आयोजित ग्रेविटास सीजन चार का शनिवार को समापन हो गया। मुख्य अतिथि प्रबंधन अध्ययन संकायाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उप विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मृदुल को मिस्टर और साक्षी को मिस ग्रेविटास का खिताब मिला। कार्यक्रम में काव्य पाठ, कॉसप्ले, स्टैंड अप कॉमेडी, गायन, नृत्य, केस स्टडी, बिजनेस क्विज, वाद-विवाद और स्टैंड अप कॉमेडी प्रतियोगिताएं हुईं। (संवाद)

कैदियों के बच्चों के साथ न हो भेदभाव : राही

लखनऊ। लखनऊ विवि के विधि संकाय की ओर से माता-पिता की कैद और उनकी भलाई पर छिपा प्रभाव और बच्चेः मुद्दे, चुनौतियां और आगे का रास्ता विष् पर संगोष्ठी हुई। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि जेल राज्य मंत्री सुरेश राही रहे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कैदियों के 259 बच्चे जेल में रह रहे हैं। इन सभी को शिक्षा, पोषण दिया जा रहा है। मुख्य वक्ता आरएमएनएलयू के डॉ. केए पांडेय, प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. बीडी सिंह आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 7

मिस्टर ग्रेविटास मृदुल और मिस बनीं साक्षी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय में आयोजित ग्रेविटास सीजन चार का समापन हुआ। मुख्य अतिथि प्रबंधन अध्ययन संकायाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू ने तीन दिवसीय उत्सव में हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उप विजेताओं को पुरस्कृत किया। साथ ही मिस्टर और मिस ग्रेविटास का खिताब मृदुल द्विवेदी और साक्षी वर्मा को प्रदान किया गया। अंतिम दिन की शुरुआत स्टैंड अप कॉमेडी प्रतियोगिता से हुई।

कैदियों के बच्चों की शिक्षा का पूरा ख्यालः सुरेश राही

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से माता-पिता की कैद और उनकी भलाई पर छिपा प्रभाव और बच्चेः मुद्दे, चुनौतियां और आगे का रास्ता पर संगोष्ठी हुई। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि राज्य जेल मंत्री सुरेश राही रहे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कैदियों के 259 बच्चे जेल में रह रहे हैं। उन सभी को शिक्षा, पोषण प्रदान किया जा रहा है। मनोरंजन सुविधाएं, स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जा रहा है।